

वितर प्रयोग ५ नं. १० वारपरी, १९६० हॉ (फॉल्गुन ५, १८८३ शके तिथि)		कागजालय तालाबाप्रबंधक द्वारा जारी किया गया।
		जारीको ५ अप्रैल कम से ०.८८८६ हॉ
शुद्धि-पत्र १५ फरवरी, १९६० हॉ		दिनांक १०.६.६० वारपरी राजसनातिग्रहण
<p>प्रा. १११-पञ्च-८/१६-८—१२१६ (पंच-८) —५९—यतर प्रेषण गमन (भाषा १), विनाक ५ वारपरी, १९६० हॉ (फॉल्गुन ५, १८८३ शके तिथि) प्राप्त दृष्टि प्रकाशित विज्ञापन द्वेष्या १७१५ (एष-एम)/१६-८—१२१६ (एष-एम)—५९, विनाक ५ वारपरी, १९६० हॉ में जाप "गुरुप्रतिवेदन-गुरुविद्यर" के स्वाम पर हाथ "गुरुप्रतिवेदन-गुरुविद्यर" नामे।</p>		
<p>ज्ञान के एवं धर्म, सत्यताएः, सचिदः।</p>		

वन सिभाग

विविध

१० वारपरी, १९६० हॉ

प्रा. १११/४—३३—५०—उत्तर हृष्णेश के राज्यपाल गहोवर का यात्रा है कि इश्विया कारोबार ऐपट, १९२७ (ऐपट सं. १६, १९२७) जी घारा २५ और दक्षमारा (१) से द्वितीय अधिकारित छात्रों द्वारा भविष्यक करते से इतना अधिक समाप्त होता है कि हाथ धीर राज्य

अतिथ्य व्यापारिया द्वारा के अतिथाहृषि द्वारा भी उत्तरपूर्व ऐपट की घाट ८०-ए के साथ पहिले उपर घारा की देवारा
१) द्वारा प्राप्ति अधिकारों का स्वीप-कारों के उपरेक के राज्यपुरुष गहोवर करते हैं कि इष्ट प्रकार लाइ-तथा अधिकारिया के ताक
या ऐपट के धर्माय ५ के उत्तरपूर्व संलग्न गुरुप्रति ने उत्तिवित भूमि पर लाए हैं।

अनुसूची

नंबर	भास गड़क	द्वारा नीति, फलान्त्र धीर फोर्म से	विवरण
१-प्रौढ़ सीर	१-नेटर-वारपरी रोड	१ मील से १० खोड़ २ चक	भूमि की दैर्घ्य परिमें छात्रों द्वारा नीति की गई है।
२—वारपत्र—सहारनपुर		१ मील से २८ मील २ फ०	
३—वारपत्र—सोली—गाहवा		शाम्य से १७ मील ६ फ० २६० फीट तक	
४—गीरठ—नुवाना		२ मील से १७ मील	
५—गीरठ—भूलन्दशहर		२ सोली से २९ मील तक	
६—टी० घार० एम० रोड		४१ मील से ५५ मील	
७—टी० घार० रोड		८७०-मील से ८७० मील	
८—वारपालाख—वारपत्रीकरी		१ मील से ५ मील	
९—मुरादनगर—रेत्वे		शाम्य से २ फ० १०६ फीट तक	
१०—सोलीगार—रेत्वे धीर		शाम्य से ६४० फीट तक	
११—गोदंसार—रेत्वे फोर्ड		शाम्य से ४४० १०६ फीट तक	
१२—मेठा—वारपत्रा रोड		२५३२ दे १२३-२२०	
१३—द्वारा—सदरेता रोड		००.० से ६४५-२६०	
१४—बुलन्दशहर—सेवापाल रोड		द्वारा शीरे ३१ मील ३ फ० २०० फीट तक	
१५—गोट—घपती		२ से ९ मील	
१६—गीरठ—बरेली रोड		द्वारा शीरे ३१ मील ६ फ० २०० फीट तक	
१७—नेशत गुरुप्रति नं० २८८		१८ मील ६ फ० से ८५० तक के मील १५० से ३	
१८—टी० टी० रोड—गाजीपुर	वितर प्रेषण गमन द्वारा	८७४ मील ५४८ फ० से ८७१ मील २ फ० ७०	
१९—गाजीपुर—हुपुर रोड		फोर्ड तक	
२०—हुपुरगाँव रोड		१ मील से २१ मील ६ फ० ४६६ फीट तक	
२१—गीरठ		१ मील ४४५ फ० से ११ मील ५ फ० ७०	
२२—गीरठ एम० रोड		फीट तक	
२३—गीरठ—जनतेरी—गीरठ		५६ मील से १५ मील	
२४—मुख्यकरनगर—शामली—गीरठ		२५ मील ६ फ० से २८ मील ११ फीट तक	
२५—मुख्यकरनगर—सहारनपुर		२ मील से ३१ मील	
२६—मुख्यकरनगर—गिरनीर		७७ मील से १०१ मील	
२७—गीरठ—लालसारा		७३ मील से १११ मील तक	
२८—मुख्यकरनगर—सुखाना—गीरठ		शाम्य से ३ मील तक	
२९—मुख्यकरनगर—सुखाना—गीरठ		७५ मील तक	

प्राप्तियां निदेशक
सभावान्वन प्रभाग

प्रभाराबंकी

Nag
उप प्रभारीय वनाधिकारी
राम सनेहीघाट
बाराबंकी वन प्रभाग

पंकज खरे (प्रभाग)
रिलायन जियो इन्फोकॉम लिमिटेड
लखनऊ

क्षेत्रीय वन अधिकारी
रामसनेहीघाट

क्षेत्रीय वन अधिकारी
रेज हैदरगढ़

अधिकारों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल महोदय निम्नतितिवार स्पेशल सेंड एक्वीजिशन आफिसरों को उपत एवं एक्ट के धरणीन कलेक्टर के अधिकारों का प्रयोग के रागमें उल्लिखित जिले में प्रयोग करने के लिये अधिकृत करते हैं जब तक कि वे स्पेशल सेंड एक्वीजिशन आफिसर के पद पर नियुक्त रहें :—

क्रम-सं०	अधिकारी का नाम	जिला
१	श्री अम्बा प्रसाद	यनारस।
२	श्री लोक सिंह	फौजाबाद।
३	फौजाज हुसेन	शासी।
४	दीनानाथ शर्मा	गोरखपुर।

२४ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ५६२१/१-प्र—८०६-५५—तेंड एक्वीजिशन एक्ट, १९६४ (ऐक्ट संख्या १, १९५४) को धारा ३ के खंड (सो) द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग परते हुए राज्यपाल महोदय थी करुणा साहर विष्णुठी, डिप्टी कलेक्टर, वस्तो को उपत एक्ट के धरणीन जिला वस्तो में कलेक्टर के अधिकारों का प्रयोग करने के लिये अधिकृत करते हैं।

सं० ३२०८/१४—उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महोदय का यह मत है कि इंडिपन फारेस्ट एक्ट, १९२७ (ऐक्ट सं० १६, १९२७) को पारा २६ को उपपारा (३) के धरणीन अपेक्षित जांच करने और अभिलेख तंयार करने में इतना अधिक समय लगेगा कि उस चीज़ में राज्य सरकार के अधिकारों के वापित होने वाला है।

बताए अब पहुँच उपर्युक्त उपचारा के प्रतिवर्धनात्मक खंड द्वारा तथा उपर्युक्त ऐक्ट की धारा ८०-६ के साथ पठित उपत पारा ८० उपपारा (१) द्वारा प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करके ऐसी जांच होने और अभिलेख तंयार होने तक उपत एक्ट के चैंटर४ के निदेश इससे संतुलन घनत्वमें निर्दिष्ट भूमि पर लागू प्रस्तापित करते हैं।

अनुसूची

क्रम-संख्या	भूमि का नाम जो मार्गीय वन ऐक्ट परिच्छेद ४ के मान्तर्गत रखित वन घोषित की गई है	प्रिसा	खड़क की लम्बाई मीलों में	सीमा का वर्गन
१	प्रैंड टंक रोड, मील ५६२/० से लेकर मील ६६३/० तक	कानपुर	८१ ० ०	जमोत की हवायन्दी पर्याया सीमेट के तम्भों या खाइयों द्वारा उत्तर स्थान पर की गई है।
२	कानपुर-फालपी-सड़क, मील ५२/० से लेकर मील ६६/० तक	"	४४ ० ०	"
३	कानपुर-हमीरपुर राज्यपाल मील २/० से लेकर मील १९/० तक	"	३७ ० ०	"
४	झोड़मुग्ल रोड, मील ११६/० से मील १७३/० तक	"	५४ ० ०	"
५	लखनऊ-कानपुर सड़क, मील ० से लेकर मील ४६/३-६४० फीट तक	लखनऊ और उपनाव	४६ ३ ६४०	"
६	लखनऊ—बरेली सड़क मील ० से लेकर मील १५२/० तक	लखनऊ, सीतापुर, शाहू-१५२	० ० ०	"
७	लखनऊ—प्रतापगढ़ सड़क, मील ० से लेकर १०८/० तक	बारावंकी बरेली	१०८ ० ०	"
८	लखनऊ—सुलतानपुर सड़क, मील ० से लेकर मील ८५/१-२२८ फीट तक	लखनऊ, रायबरेली, ८५ १ २२८ बारावंकी बरेली	१०८ ० ०	"
९	लखनऊ—फौजाबाद सड़क, मील ० से लेकर मील ७६/३-३६६ फीट तक	सुलतानपुर लखनऊ, बारावंकी बरेली ७६ ३ ३६६ फौजाबाद	१०८ ० ०	लखनऊ प्रभागी बारावंकी वन प्रभाग

प्रभागीय निदेशक
साठवाठवन प्रभाग

सेत्रीय वन अधिकारी
रेंज हैदरगढ़

वन-विभाग

छुट्टी

२३ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ३९२०/१४-६०(१)-५५—थी शारा० एन० गोरोला, पी० एफ० एस०, डिप्टी कानपुरपेट आफ फारेस्ट, लो० २२ गिरावर, १९५५ ई० से ३१ दिन की उपार्नि छुट्टी दी जाती है और उन्हें २३. से २६. मध्यसूत्र, १९५५ ई० रविवार तथा अन्य गोरेट, छुट्टी परंपरा छुट्टी के राव तानालित करने की आजां दो जाती हैं।

नियुक्ति

२३ अगस्त, १९५५ ई०

सं० ३९२०(२)/१४-६०(१)-५५—कार्यभार प्रहण करने की तारीख से थी श्री श्रीधरा, पी० एफ० एस०, असिरिंद्रेंट कन्तर-वेटर आफ फारेस्ट्सु परंपरा श्री मारा० एन० गोरोला, पी० एफ० एस० के स्थान पर, जिनको छुट्टी दी गई है, स्थानापन डिप्टी कानपुरपेट आफ फारेस्ट, कालागढ़ फारेस्ट डिप्टीजन नियुक्त किया जाता है।

विविध

२३ अगस्त, १९५५ ई०